सांध्य दैनिक 4PM

यहां कोई भी आपका सपना पूरा करने के लिए नहीं है। हर कोई अपनी तकदीर और अपनी हकीकत बनाने में लगा है।
-ओशो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 323 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 30 दिसम्बर, 2021

कोहरे के साथ बढ़ गई... 8 | लड़की हूं लड़ सकती हूं से कांग्रेस... 3 | प्रदेश में तेजी से बढ़ रही कोरोना... 7

मोदी के दांव में फंस गए योगी

अब दिल्ली दरबार के इशारे पर चलेगी यूपी सरकार!

- » रातों-रात बदल दिए गए चीफ सेक्रेटरी, डीएस मिश्रा को मिली कमान
- » चुनाव से पहले शीर्ष नेतृत्व धीरे-धीरे पीछे कर रहा सीएम योगी को
- » भाजपा नेतृत्व ने अपने दांव से जनता को चेहरा बदलने का भी दिया संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने एक और दांव चल दिया है। अचानक प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी को बदल दिया गया। मुख्य सचिव आरके तिवारी को रातों-रात हटाकर डीएस मिश्रा को चीफ सेक्रेटरी बना दिया गया। सवाल यह है कि क्या मोदी के इस दांव में योगी आदित्यनाथ फंस गए हैं और अब प्रदेश की सरकार दिल्ली दरबार के इशारे पर चलेगी? वहीं इस नियुक्ति से दिल्ली दरबार और प्रदेश सरकार में चल रही खींचतान भी सतह पर आ गयी है।

सूत्रों का कहना है कि अचानक योगी सरकार के पास दिल्ली से एक आदेश आता है कि एक पत्र भेजिए कि डीएस मिश्रा को दिल्ली प्रतिनियुक्ति से मुक्त कर... शेष पेज 8 पर

डीएस मिश्रा ने संभाला कार्यभार, पीएम का जताया आभार

लखनऊ। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1984 बैच के अधिकारी डीएस मिश्रा ने आज उत्तर प्रदेश के नए चीफ सेक्रेटरी के रूप में लोकभवन स्थित अपने कार्यालय में कार्यभार संभाला लिया है। उन्हें कार्यभार निवर्तमान मुख्य सचिव आरके तिवारी ने सौंपा। डीएस मिश्रा ने इस जिम्मेदारी के लिए पीएम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से यूपी की जनता की फिर से सेवा करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शहरों के विकास के काम को तेज किया जाएगा। स्मार्ट सिटी के मिशन को मूवमेंट बनाकर पूरे यूपी को स्मार्ट बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह दफ्तर में बैठकर काम करने वाले नहीं बल्कि फील्ड में काम करेंगे। टीकाकरण और कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराएंगे। वे 2014 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए थे।

ब्राह्मणों को भी संदेश

डीएस मिश्रा को चीफ सेक्रेटरी बनाकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने ब्राह्मणों को भी संदेश दिया है कि ब्राह्मण चीफ सेक्रेटरी को हटाकर उसी जाति के व्यक्ति को चीफ सेक्रेटरी की जिम्मेदारी दी गयी है। ब्राह्मणों की नाराजगी को लेकर पिछले दिनों दिल्ली में प्रदेश के दिग्गज ब्राह्मण मंत्रियों और नेताओं के साथ बैठक हुई थी।

सतह पर आयी दिल्ली दरबार और प्रदेश सरकार की खींचतान

अरविंद शर्मा होंगे पावरफुल

पीएम मोदी के बेहद करीबी और एमएलसी अरविंद शर्मा अब और पावरफुल हो जाएंगे क्योंकि उनके मित्र चीफ सेक्रेटरी बन गए हैं। अभी तक अरविंद शर्मा की वही योजनाएं लागू की जाती थी जिसको दिल्ली दरबार से समर्थन मिलता था। उत्तर प्रदेश सरकार अरविंद शर्मा को पसंद नहीं करती है। यही नहीं योगी आदित्यनाथ ने इसके जरिए यह संदेश दिया था कि वे पीएम मोदी के सबसे करीबी आदमी को भी किनारे कर सकते हैं। इससे भाजपा नेतृत्व को यह संदेश मिला था कि प्रदेश में अरविंद शर्मा की उपेक्षा की जा रही है। यही से दिल्ली दरबार और यूपी सरकार के बीच विवाद बढ़ा और चीफ सेक्रेटरी की नियुक्ति में योगी आदित्यनाथ की सलाह नहीं ली गयी। मुख्यमंत्री के पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है। अब दिल्ली सरकार जो कहेगी वही उनको सुनना और करना होगा।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

प्रदेश में विधान सभा चुनाव टलने के आसार नहीं

- » घर बैठे दिव्यांग और बुजुर्ग कर सकेंगे मतदान
- » कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराते हुए कराए जाएंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए लखनऊ आए मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) सुशील चंद्रा ने बताया कि सभी राजनीतिक दल समय पर चुनाव कराना चाहते हैं लेकिन कुछ दल ज्यादा रैलियों के खिलाफ हैं और रैलियों की संख्या कम करने को कहा है। इससे साफ है कि अब प्रदेश में चुनाव टलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। आयोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराते हुए चुनाव कराएगा। उन्होंने कहा कि पांच जनवरी को फाइनल वोटर लिस्ट आ जाएगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के लोग, विकलांग व्यक्ति और कोरोना से संक्रमित लोग जो मतदान केंद्र पर नहीं आ पाएंगे, चुनाव आयोग उनके दरवाजे पर वोट के लिए पहुंचेगा। प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या 15 करोड़ से अधिक है। अंतिम प्रकाशन के बाद मतदाता के वास्तविक आंकड़े आएंगे। अब तक 52.8 लाख नए मतदाताओं को शामिल किया जा चुका है। इनमें 23.92 लाख पुरुष और 28.86 लाख महिला मतदाता हैं। 18-19 आयु वर्ग के 19.89 लाख मतदाता हैं। सभी मतदान केंद्रों पर वीवीपैट लगाए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लगभग एक लाख मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध होगी। पहली बार कम से कम 800 पोलिंग स्टेशन ऐसे बनाए जाएंगे जहां सिर्फ महिला पोलिंग अधिकारी होंगी। सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम होगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, सभी दलों ने की समय पर चुनाव कराने की मांग

प्रियंका गांधी के नेतृत्व में यूपी में बदलाव की बयार : भूपेश बघेल

» कई दलों के लोग कांग्रेस में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रियंका गांधी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में एक तूफान उठा है, जो जाति-धर्म की राजनीति को उड़ा ले जाएगा। 'लड़की हूं-लड़ सकती हूं' का नारा गली-गली गूंज रहा है। आधी आबादी प्रियंका के नेतृत्व में यूपी की राजनीतिक संस्कृति बदलने की शपथ ले रही है। बघेल राजधानी में कई दलों के नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने के अवसर पर विचार रख रहे थे।

उन्होंने कहा कि सभी असली देशभक्त कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि जिस तरह से दूसरी पार्टियों के नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं, वह बताता है कि अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार बनाएगी। कांग्रेस विधायक सोहेल अंसारी ने कानपुर के नेताओं और कार्यकर्ताओं का कांग्रेस में स्वागत करते हुए कहा कि आज देश और प्रदेश बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना हम सबकी जिम्मेदारी है। कांग्रेस में शामिल होने वालों में कानपुर नगर निगम में समाजवादी पार्टी पार्षद दल के नेता हाजी सुहैल अहमद, पार्षद और प्रसपा की युवा शाखा के नगर अध्यक्ष राशिद महमूद उर्फ शिब्बू अंसारी, समाजवादी पार्टी के पूर्व पार्षद महेंद्र प्रताप सिंह, आबिद अली और राकेश साहू प्रमुख रहे।

हाथों को मजबूत करें

भूपेश बघेल ने कहा कि धान बेचने पर छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को 2500 रुपये का भुगतान कर रही है, जबकि यूपी में किसानों को कम दाम मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है, वह करती है। राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ में किसानों का कर्ज माफ करने का ऐलान किया था। सरकार बनने पर सबसे पहले किसानों का कर्ज माफ किया गया। लखनऊ और दिल्ली की गद्दी पर बैठे लोग किसानों का शोषण कर रहे हैं। प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में संघर्ष कर रही हैं। आप प्रियंका के साथ जुड़े और उनके हाथों को मजबूत करें।

गुजरात के दो नेता बेच रहे देश की संपत्ति

बछरावां (रायबरेली) में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सैंहगों में सरदार वल्लभ भाई पटेल महाविद्यालय में सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया। यहां हुई जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास के मामले में पिछड़ गया है, क्योंकि 32 सालो से कांग्रेस की सरकार नहीं है। प्रदेश में किसान और नौजवान को उसका हक नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश की महिलाओं, बेटियों के साथ जुल्म हो रहा है। गुजरात के रहने वाले महात्मा गांधी और सरदार पटेल ने देश को न सिर्फ आजादी दिलाई, बल्कि विकास कराया। आज गुजरात के दो नेता पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह देश की संपत्ति को बेचने का काम कर रहे हैं।

कन्नौज में मंच पर बैठने को लेकर आपस में ही भिड़े भाजपा नेता

» जनविश्वास यात्रा के मंच पर ही गाली गलौज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में सरगर्मी तेज हो गई है। हर दिन राज्य में कई रैलियां और जनसभा हो रही है। ऐसे में विपक्षियों को जवाब देने की जगह कन्नौज में बीजेपी कार्यकर्ता आपस में ही भिड़ गए। मंच पर बैठने को लेकर ऐसा बवाल हुआ कि लोग एक दूसरे पर टूट पड़े और मारपीट करने लगे। दरअसल यह घटना कन्नौज में बीजेपी के जनविश्वास यात्रा के दौरान हुई। छिबरामऊ विधानसभा क्षेत्र के नेहरू कॉलेज में जनविश्वास यात्रा के तहत जनसभा के लिए मंच तैयार किया गया था। वर्तमान विधायक और बीजेपी जिला उपाध्यक्ष के समर्थकों में मंच पर बैठने को लेकर विवाद हो गया। वर्तमान बीजेपी विधायिका अर्चना पांडे के समर्थकों पर बीजेपी जिला उपाध्यक्ष और उनके समर्थकों पर हमला करने का आरोप है।

नगर भ्रमण के बाद नेहरू महाविद्यालय में जनसभा का आयोजन किया गया था। मंच पर बैठने को लेकर विधायिका के समर्थकों और जिला उपाध्यक्ष के समर्थकों के बीच विवाद हुआ। स्थानीय बीजेपी नेता विपिन द्विवेदी से मंच पर बैठने को लेकर यह नोकझोंक शुरू हुई थी। मामले ने इतना तूल पकड़ गया, कि गाली-गलौज के साथ हाथापाई भी शुरू हो गई। इससे वहां कुछ समय के लिए अफरातफरी मच गई। इस मामले में विपिन द्विवेदी वर्तमान भाजपा विधायिका अर्चना पांडे के समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगा रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अरविंद यादव इस मामले को बीजेपी नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई करार दे रहे हैं।

पक्षपात की शिकायत मिली तो अफसरों पर होगी सख्त कार्रवाई : चुनाव आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने लखनऊ आए मुख्य चुनाव आयुक्त ने फील्ड के अफसरों से कहा है कि वे निष्पक्ष होकर काम करें। पक्षपात की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा अपने दोनों चुनाव आयुक्त डॉ. राजीव कुमार और अनूप चंद्र पांडेय के साथ प्रदेश भर के जिलों के अफसरों के साथ विधानभवन के बाल गंगाधर तिलक हाल में बैठक कर रहे थे।

बैठक में आयोग ने एक-एक जिले की तैयारियों की समीक्षा की। आयोग ने हरियाणा से होने वाली शराब की तस्करी पर चिंता व्यक्त की और कहा कि संबंधित जिलों में जो अवैध शराब की रिकवरी है वह नाकाफी है। इसके लिए और मेहनत की जरूरत है। आयोग ने बिहार और नेपाल की सीमाओं पर सख्ती बढ़ाने और पोलिंग परसेंटेज बढ़ाने पर काम करने को कहा है। आयोग ने जिलाधिकारियों से पूछा कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान की क्या स्थिति है। कितने प्रतिशत काम पूरा हो चुका है कितना बाकी रह गया है। उन्होंने पारदर्शी तरीके से नए मतदाताओं के आवेदन, नाम जोड़ने व काटने के आवेदनों के सत्यापन किए जाएं। आयोग ने प्रदेश में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने पर भी जोर दिया। इसके लिए लोगों में जागरुकता पैदा करने के लिए व्यापक अभियान चलाने के लिए भी कहा है। कमजोर वर्ग के वोटरों की बस्तियों की मैपिंग करने की स्थिति की जानकारी ली। पोलिंग स्टाफ के बारे में जानकारी ली गई। आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि जितने कर्मियों को लगाया जाएगा यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि सभी को कोरोना टीके की दोनों डोज लग चुकी है। ईवीएम की संख्या के बारे में भी जानकारी ली गई कि कितनी ईवीएम उपलब्ध है, पिछले चुनाव में कितनी विधानसभाएं ऐसी थीं जहां प्रत्याशियों की संख्या अधिक थी और दो बैलेट यूनिट लगानी पड़ी थी।

पिछड़ों-दलितों के साथ भेदभाव कर रही भाजपा : गंगवार

» 2022 में बनेगी सपा की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व एमएसएमई मंत्री और सपा नेता भगवत सरन गंगवार आश्वस्त हैं कि उत्तर प्रदेश में अबकी बार उनकी पार्टी की ही सरकार बनेगी। वे समाजवादी पार्टी की सरकार के काम और मौजूदा सरकार की विफलताओं को बताते हैं। वह मानते हैं कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जैसा नेता पूरे हिंदुस्तान में ढूंढे से नहीं मिलेगा।

भाजपा की सरकार तो पिछड़ों और दलितों के साथ भेदभाव कर रही है। उनका कहना है कि अखिलेश यादव ने 400 पार का नारा दिया है। इस बार के विधानसभा चुनाव में यह नारा सच साबित होगा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ऐसा करके दिखा भी चुकी है। इसलिए यूपी में भी यह नामुमकिन नहीं है। उन्होंने कहा भाजपा 2017 में झूठ बोलकर चुनाव जीती थी। अपने घोषणापत्र का एक भी वादा पूरा नहीं किया। कहा था कि किसानों का कर्ज माफ करेंगे, लेकिन बाद में एक लाख रुपये की कैपिंग लगा दी। बैंकों ने कुछ ऐसा खेल किया कि उसका लाभ भी बड़ी तादाद में किसानों को नहीं मिला। एक लाख की कैपिंग में भी किसानों को योजना के दायरे से बाहर करने के तरीके ढूंढे गए। वर्ष 2014, 17 और 2019 के चुनाव में जो वादे किए थे, उनमें से कोई भी पूरा किया हो तो बताइए। सर्वे कर लीजिए, सामने आ जाएगा कि गांवों, कस्बों और शहरों के लोग अब इनकी बातों पर भरोसा नहीं करते हैं। भाजपा और उसकी सरकार, दोनों अपना भरोसा खो चुकी हैं। आने वाले चुनाव में यह साबित भी हो जाएगा। अखिलेश की रैलियों ने यह साबित कर दिया है कि अगली सरकार सपा की है।

भाग मिल्खा भाग.....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

उत्तराखंड चुनाव : एक परिवार-एक टिकट की नीति त्याग देगी कांग्रेस!

» अपने बेटे-बेटियों के लिए भी टिकट मांग रहे शीर्ष नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगले साल की शुरुआत में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारी में जुट गई है। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा के लिए कांग्रेस ने दिल्ली में स्क्रीनिंग कमिटी की बैठक बुलाई, जिसमें सभी 70 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा हुई।

पंजाब विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के लिए कांग्रेस की तरफ से ये फैसला लिया गया था कि एक परिवार से एक ही व्यक्ति को टिकट मिलेगा। वहीं उत्तराखंड के लिए पार्टी ने अभी तक इस तरह का कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मांग की है कि ये नियम उत्तराखंड में लागू नहीं हो। दिल्ली में आज होने वाली स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में इस विषय पर भी चर्चा होनी है। अगर उत्तराखंड की बात करें तो यहां कांग्रेस के कई कद्दावर नेता अपने परिवार के अन्य सदस्यों के लिए टिकट मांग रहे हैं। सूत्रों के अनुसार उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत अपने अलावा अपनी बेटी के लिए विधानसभा का टिकट मांग रहे हैं। वहीं नेता विपक्ष प्रीतम सिंह भी अपने बेटे के लिए टिकट की मांग कर रहे हैं। उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष यशपाल आर्य भी अपने साथ अपने बेटे के लिए टिकट की मांग कर रहे हैं। उत्तराखंड कांग्रेस के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा मैं समझता हूं कि जहां एक परिवार से दो व्यक्ति राजनीति क्षेत्र में हैं और टिकट के बाद जीतने की संभावना रखते हैं, तो ऐसे मामले में विचार हो सकता है और ऐसा कोई नियम नहीं होगा कि कोई जन सेवा करें और एक परिवार से हो तो उसे टिकट नहीं मिले।

लड़की हूं लड़ सकती हूं से कांग्रेस की सियासी उम्मीदें, जगी घर-घर पहुंचने की आस

- मेरठ, झांसी, मुरादाबाद, लखनऊ के बाद अब बनारस में अभियान ने पकड़ा जोर
- घर-घर बेटियों का एक ही नारा मैं लड़की हूं लड़ सकती हूं...
- कांग्रेस ने महिलाओं को साधने की अपनी मुहिम को दी रफ्तार

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे से कांग्रेस को नई ऊर्जा मिली हैं। चुनाव से पहले कांग्रेस की सियासी उम्मीदें एक तरह से जाग गई है। अभियान के जरिए कांग्रेस यूपी के घर-घर पहुंची हैं। इसे देखते हुए इसे कई और अन्य जिलों में अभियान चलाने का कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने निर्णय लिया है।

राजधानी लखनऊ के इकाना स्टेडियम परिसर से निकल आसमान छूने को बेताब लड़की हूं लड़ सकती हूं का तुमुल घोष मैराथन में भाग लेने आईं हजारों लड़कियों के जुनून की गवाही देने के साथ कांग्रेस पार्टी में भी स्फूर्ति का संचार कर रहा था। चेहरे पर गुलाबी मास्क लगाये तेजी से दौड़ लगातीं तरुणियों के पैरों की धमक मानो कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं को गुलाबी रंगत देने के साथ अरसे तक बेजान रही पार्टी के लिए आशावादी स्पंदन पैदा कर रही हो। सड़क पर बढ़ते हजारों कदमों से कांग्रेस की सियासी उम्मीदें भी फर्राटा भरती नजर आईं। मेरठ, झांसी और मुरादाबाद के बाद मंगलवार को राजधानी लखनऊ में लड़कियों के लिए मैराथन दौड़ आयोजित कर कांग्रेस ने महिलाओं को साधने की अपनी मुहिम को रफ्तार दी है। पांच किलोमीटर लंबी इस दौड़ के जरिये कांग्रेस उत्तर प्रदेश में सत्ता के सिंहासन के लिए जारी सियासी मैराथन में अपनी दमदार हिस्सेदारी का दावा पुख्ता करना चाह रही है। बीते रविवार को होने वाली इस दौड़ को लखनऊ जिले में धारा-144 लागू होने का हवाला देकर जिला प्रशासन ने जिस कदर रोक लगाई थी, उससे न कांग्रेसी हार माने और न ही मैराथन में अपने दमखम का प्रदर्शन करने के लिए लड़कियां पीछे रहीं।

चूड़ी जुड़ाई कारीगर के घर पहुंचीं प्रियंका

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सिरसागंज आने से पहले फिरोजाबाद के मक्खनपुर में चूड़ी जुड़ाई कारीगर व महिला श्रमिक सितारा देवी जाटव के घर पहुंचीं। यहां उन्होंने सितारा देवी से बातचीत की। उनसे पूछा कि किस तरह चूड़ी का काम करती हो, प्रियंका गांधी वाड्रा ने उनके घर पर चाय भी पी। यही नहीं, सिरसागंज के गिरधारी इंटर कॉलेज में महिला संवाद कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को सुनने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां बेटियों व महिलाओं के साथ संवाद किया और उनको आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया।

छह जनवरी को बनारस में होगी मैराथन दौड़

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के अभियान लड़की हूं लड़ सकती हूं के तहत कांग्रेस छह जनवरी को बनारस में मैराथन कराने जा रही है। बीएचयू सिंहद्वार से शुरू होकर रविंद्रपुरी, भेलूपुर, कमच्छा होते हुए यह मैराथन सिगरा स्थित शहीद उद्यान पर समाप्त होगी। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। बनारस में इसे सफल बनाने के लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि मैराथन के लिए 30 दिसंबर को नागरी नाटक मंडली में कार्यक्रम होगा।

1128 लड़कियों को पुरस्कृत करेगी कांग्रेस

मैराथन दौड़ के लिए प्रस्तावित रूट का भ्रमण भी करेंगी। प्रथम आने पर स्कूटी, द्वितीय को मोबाइल फोन, तृतीय को फिटनेस बैंड, चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली लड़की को मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। अभियान से कांग्रेस 1128 लड़कियों को पुरस्कृत करेगी। अभियान से जुड़ने के लिए कांग्रेस ने टोल फ्री नंबर 9034032022 भी जारी किया है।

प्रदेश में चुनावी जंग लड़ने को तैयार अपना दल, पिछड़ों पर टिकी नजर

एनडीए की सहयोगी व अपना दल की प्रमुख के निर्देश पर जारी है जनसंपर्क अभियान

- भाजपा की अहम रैलियों में भी अनुप्रिया पटेल की रहती है उपस्थिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा आगामी विधान सभा चुनाव में कोई कोर-कसर छोड़ने के मूड में नहीं दिख रही है। वह अपने सहयोगियों के साथ मतभेदों को जल्द से जल्द समाप्त कर चुनावी समर में अभी से कूद गयी है। भाजपा की सहयोगी अपना दल ने प्रदेश में चुनावी जंग लड़ने की पूरी तैयारी कर ली है और उसकी नजर पिछड़ों को अपने पाले में करने की है।

भाजपा की सहयोगी और अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने चुनाव की कमान संभाल ली है। पूर्वांचल समेत कई क्षेत्रों में अपना दल की मजबूत पकड़ है। यही वजह है कि भाजपा अपना दल के साथ मिलकर पिछड़ों को साधने में जुटी है। वहीं सीटों के बंटवारें को लेकर भी बातचीत चल रही है। चुनाव को देखते हुए अपना दल ने न केवल जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है बल्कि अनुप्रिया पटेल भी भाजपा की मंचों पर दिखने लगी हैं। वे लगातार पिछड़ों को अधिक भागीदारी देने का दबाव भाजपा पर बनाती रही हैं। उनका कहना है कि उत्तर प्रदेश में जिस पार्टी या गठबंधन को ओबीसी का समर्थन मिलता है, वही सत्ता में आता है। सामाजिक न्याय के लिए यह महत्वपूर्ण है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जाए। उनका कहना है कि भाजपा ने जिस जातिगत समीकरण को आकार दिया, उससे एनडीए को एक के बाद एक तीन चुनावों में भारी जीत मिली है। उत्तर प्रदेश में मतदाताओं के बीच एनडीए की अच्छी स्थिति है। हम पूर्ण बहुमत के साथ फिर से सरकार बनाएंगे। पिछले चुनाव में अपना दल ने 9 सीटों पर जीत दर्ज की थी। गौरतलब है कि विधान सभा चुनाव नजदीक आने पर उत्तर प्रदेश में सभी बड़े राजनीतिक दल चुनावी मैदान में कूद पड़े हैं और वे ओबीसी मतदाताओं को लुभाने रहे हैं। राज्य की कुल आबादी के 40 प्रतिशत से अधिक ओबीसी है और यह चुनाव का समीकरण बदल देता है।

भाजपा से तालमेल

आगामी विधानसभा चुनावों में पिछड़े समुदाय का समर्थन हासिल करने को लेकर अनुप्रिया आशावान हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए का समाज के इस वर्ग के बीच अच्छा तालमेल है क्योंकि मोदी सरकार की योजनाएं गरीब समर्थक हैं और उनका मकसद हाशिए पर पड़े वर्गों की मदद करना है। सीटों के बंटवारे पर दोनों दल एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं और बातचीत चल रही है।

ओबीसी को अधिक टिकट देने की मांग

अनुप्रिया ने ओबीसी उम्मीदवारों को और टिकट देने की पैरवी की। उनका कहना है कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का इतिहास देखें तो पाएंगे कि ओबीसी का जिस पार्टी और गठबंधन की ओर झुकाव होता है वह राज्य में सत्ता में आती है। वह और उनकी पार्टी ओबीसी को अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के पक्ष में रही हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा समाज के हाशिये पर पड़े वर्गों की ओर बहुत संवेदनशील रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महिला अपराधों का बढ़ता ग्राफ और तंत्र

सरकार के तमाम दावों के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रेप, हत्या, लूटपाट और छेड़छाड़ की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। वहीं पुलिस तंत्र अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रहा है। यह स्थिति तब है जब अपराधों के खिलाफ सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति लागू कर रखी है। सवाल यह है कि प्रदेश में महिला अपराधों का ग्राफ बढ़ता क्यों जा रहा है? कड़े कानूनों के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या महिलाओं को सुरक्षा देने को लेकर सरकार गंभीर नहीं है? क्या अपराधियों और पुलिसकर्मियों की मिलीभगत के चलते हालात खराब होते जा रहे हैं? क्या भ्रष्ट तंत्र के कारण प्रदेश में कानून का राज लगातार कमजोर होता जा रहा है? आखिर खाकी का इकबाल बुलंद क्यों नहीं रह गया है? क्या महिलाओं को सुरक्षा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है?

पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े हैं। वे खुद को असुरिक्षत महसूस करने लगी हैं। इसकी पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े भी करते हैं। इसके मुताबिक पिछले साल देश भर में रेप के कुल 28046 मामले दर्ज किए गए जिसमें 2769 मामले अकेले यूपी में दर्ज किए गए। रेप जैसे अपराध के मामलों में उत्तर प्रदेश केवल राजस्थान से पीछे रहा जहां इसके 5310 मामले दर्ज किए गए। इस तरह यूपी देश में दूसरे नंबर पर रहा। वहीं ओवरआल महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक आपराधिक मामलों में यूपी 49385 मामलों के साथ सबसे ऊपर रहा है। इसमें अकेले अपहरण के 12913 मामले दर्ज किए गए हैं। इसी तरह छेड़छाड़ और महिला उत्पीड़न के मामलों में भी इजाफा दर्ज किया गया है। इसमें दो राय नहीं कि एक ओर प्रदेश में महिला अपराधों की बढ़ती संख्या के पीछे सामाजिक और आर्थिक कारण जिम्मेदार हैं तो दूसरी ओर पुलिस की लापरवाही भी। अधिकांश थानों में अपराध कम दिखाने के लिए एफआईआर दर्ज करने में कोताही बरती जाती है। यही नहीं कई बार पीड़िताओं पर आरोपियों से समझौते का दबाव तक बनाया जाता है। पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से बदमाश पीड़ितों पर दबाव बनाने का काम करते हैं। इसके कारण स्थितियां लगातार बेकाबू होती जा रही हैं। जाहिर है कि यदि सरकार प्रदेश में महिला अपराधों पर अंकुश लगाना चाहती है तो उसे पुलिस तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा। इसके अलावा अपराधियों से गठजोड़ करने वाले पुलिसकर्मियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई भी करनी होगी। साथ ही पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल सके इसकी व्यवस्था भी करनी होगी।

सरकार के तमाम दावों के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रेप, हत्या, लूटपाट और छेड़छाड़ की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। वहीं पुलिस तंत्र अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रहा है। यह स्थिति तब है जब अपराधों के खिलाफ सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति लागू कर रखी है। सवाल यह है कि प्रदेश में महिला अपराधों का ग्राफ बढ़ता क्यों जा रहा है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कानून ही नहीं, अवसरों की भी जरूरत

सरस्वती रमेश

लोग कहते हैं कानून के हाथ लंबे होते हैं। मगर देखने में मिलता है कि कई मामलों में ये हाथ सिकुड़ कर रह जाते हैं। विवाह के मामले में भी कुछ ऐसा होता है। विश्वास न हो तो आजमगढ़, बलिया, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी जैसे किसी भी कस्बाई नगर में चले जाइये। वहां किसी भी सड़क पर 15-20 मिनट खड़े हो जाइए। सड़क पर आती-जाती माथे पर सिंदूर लगाए किशोरियों को देखिए और गिन लीजिए उनकी संख्या। आपको पता चल जाएगा 18 वर्ष से कम उम्र की कितनी लड़कियां शादीशुदा हैं और लड़कियों की शादी के लिए तय उम्र की जमीनी हकीकत क्या है। सड़कों पर आपको प्राइमरी डेटा मिल जाएगा।

अब जरा सेकंडरी डेटा पर गौर फरमाइये। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2015-16) के अनुसार 56 प्रतिशत लड़कियों की शादी 21 वर्ष से कम उम्र में हो जाती है। गरीब आबादी के बीच यह संख्या 75 प्रतिशत के आसपास है। मतलब लड़कियों की शादी के मामले में अब तक के सारे कानूनों की पकड़ ढीली साबित हुई है। मतलब कानून बने तो कानून का पालन भी सख्ती से होना चाहिए। लड़कियों की शादी कम उम्र में हो रही है। हमारी सरकार इसके दुष्प्रभावों से चिंतित थी। स्थिति में सुधार के लिए सरकार लगभग डेढ़ साल से हाथ-पैर चला रही थी। और अब एक नया कानून बनने जा रहा है।

अब 21 वर्ष से कम उम्र में लड़कियों की शादी कानूनन जुर्म होगा। इसकी जरूरत बताते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कहा कि लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य मातृ मृत्युदर में कमी, उनकी सेहत की रक्षा करना और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्हें बढ़ावा देना है। मगर सोचने की जरूरत है कि क्या वाकई यह कानून से जुड़ा 'पुलिसिया मामला' है या इसके तार कहीं और से जुड़े हैं। जहां तक मातृ मृत्यु दर का प्रश्न है तो यह सच है कि अधिकतर लड़कियां कम उम्र में मां बनकर प्रसव के दौरान होने वाली कांप्लिकेशंस से मर जाती हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि वे सब जागरूकता के अभाव और अशिक्षा के चलते समय से पहले बनी मांएं थीं। इनमें अधिकतर महिलाएं मेडिकल सुविधाओं, बेहतर चिकित्सकों के अभाव, अस्पतालों में होने वाली लापरवाही की भी शिकार होकर अपनी जान से हाथ धो देती हैं। कच्ची उम्र में मां बनने की इतनी बड़ी संख्या होने की एक और बड़ी वजह यह कि हमारे समाज में कोई भी स्त्री मां बनने से पहले यह नहीं सोचती कि उसका शरीर मां बनने के योग्य है या नहीं। अधिकतर औरतें खुद से कभी यह सवाल नहीं पूछती कि क्या वे वास्तव में मां बनने के लिए तैयार हैं या नहीं। वह समाज के दबाव, परिवार की इच्छा और परंपरा का निर्वाह करने के लिए मां बनती हैं। जहां तक जच्चा-बच्चा की सेहत का मसला है तो यह सीधे उनके पारिवारिक बैकग्राउंड और उनकी आर्थिक स्थिति से जुड़ा हुआ है। गरीब परिवार में जन्मे बच्चे कुपोषण व अन्य बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाते हैं जबकि संपन्न परिवार में जन्मे बच्चे चाहे वह लड़की हो या लड़का, अच्छे खान-पान व पोषण के कारण स्वस्थ रहते हैं। गरीब परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुधारने का प्रयास करना होगा। समय के साथ एक नई समस्या भी उभरी है। यह समस्या है कम उम्र में ही विपरीत सेक्स के प्रति यौन आकर्षण का उभरना। अब लड़कियों की शादी की उम्र तीन साल बढ़ा देने से तो 'यौन अपराधियों' की संख्या तो निश्चित तौर पर बढ़ेगी। तो क्या हम पुलिसिया अंदाज में उनकी हरकतों को अपराध मानकर सजा देंगे या किशोरवय बच्चों को पहले से जागरूक किया जाएगा। लड़कियों के पीछे रह जाने की और भी कई वजह हैं। जैसे मां-बाप पहले लड़कियों का ब्याह कर अपने सिर का बोझ हल्का करना चाहते हैं।

अब 21 वर्ष से कम उम्र में लड़कियों की शादी कानूनन जुर्म होगा। इसकी जरूरत बताते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कहा कि लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य मातृ मृत्युदर में कमी, उनकी सेहत की रक्षा करना और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्हें बढ़ावा देना है। मगर सोचने की जरूरत है कि क्या वाकई यह कानून से जुड़ा 'पुलिसिया मामला' है या इसके तार कहीं और से जुड़े हैं।

दरअसल, मूल समस्या सही शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के अवसरों की कमी रही है। यदि बारहवीं के बाद लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाए तो शायद मां-बाप सहर्ष उसे स्वीकार कर उनकी शादी टाल सकते हैं और फिर कमाने वाली महिला अपने विवाह से जुड़े फैसले खुद ले सकेगी।

सेवा निर्यात से ओमिक्रॉन संकट का सामना

भरत झुनझुनवाला

कोविड के ओमिक्रॉन वेरिएंट के उत्पन्न होने से एक बार पुन: विश्व अर्थव्यवस्था पर संकट आ पड़ा है। अलग-अलग देशों में अलग-अलग समय पर लॉकडाउन की स्थिति बन रही है। ऐसी स्थिति में जो देश दूसरे देशों से कच्चे माल के आयात अथवा उत्पादित माल के निर्यात पर निर्भर रहते हैं, उनका संकट बढ़ जाता है। एक कार निर्माता के एजेंट ने बताया कि अपने देश में गाड़ियों की खरीद की इस समय लगभग 6 से 8 महीने की वेटिंग लिस्ट हो गयी है। कारण कार के उत्पादन में लगने वाला एक छोटा-सा 'सेमी कंडक्टर', जिसका मूल्य मात्र 2,000 है, वह भारत में नहीं बन रहा है और उसका आयात भी नहीं हो पा रहा है क्योंकि निर्यात करने वाले देशों में कोविड का संकट है।

यदि एक भी कच्चा माल उपलब्ध नहीं हुआ तो पूरा उत्पादन ठप हो जाता है इसलिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की पत्रिका 'फाइनांस एंड डेवेलपमेंट' के एक लेख में कहा गया है कि कोविड संकट के कारण तमाम देश उत्पादित माल वैश्वीकरण से पीछे हटेंगे। इसी क्रम में अपने देश में दवाओं के उद्योग पर भी वर्तमान में संकट है क्योंकि चीन से आयातित होने वाले कुछ कच्चे माल उपलब्ध नहीं हैं। दूसरी तरफ हमारे निर्यात भी संकट में हैं क्योंकि इंग्लैंड और नीदरलैंड जैसे देशों में कोविड के कारण लॉकडाउन की स्थिति बन रही है और उनके द्वारा हमारा माल खरीदा नहीं जा रहा है। इन संकटों की विशेषता यह है कि ये माल अथवा भौतिक वस्तुओं के व्यापार से उत्पन्न हुए हैं जैसे सिलिकॉन चिप या दवा के कच्चे माल, जिनकी ढुलाई एक देश से दूसरे देश में समुद्री जहाज अथवा हवाई जहाज से करनी होती है। माल का भौतिक उत्पादन जिस देश में होता है, यदि वह देश निर्यात न कर सके तो आयात करने वाले दूसरे देश पर संकट आ जाता है इसलिए कोविड के कारण सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था चरमरा रही है।

सेवा क्षेत्र की स्थिति अच्छी है। कारण यह कि सेवायें जैसे ऑनलाइन ट्यूशन, टेली मेडिसिन, अनुवाद, सिनेमा, संगीत, सॉफ्टवेयर इत्यादि के माल की ढुलाई समुद्री अथवा हवाई जहाज से करने की जरूरत नहीं होती है। इसकी ढुलाई इंटरनेट के माध्यम से हो सकती है। अत: किसी देश में यदि लॉकडाउन लगा भी है तो कर्मी अपने घर में बैठकर इंटरनेट से इनका उत्पादन और सप्लाई अनवरत कर सकते हैं। इसलिए वर्तमान ओमिक्रॉन के संकट को देखते हुए हमें भी सेवा क्षेत्र पर ध्यान देने की जरूरत है। आज औद्योगिक देशों में सेवा क्षेत्र का अर्थव्यवस्था में हिस्सा लगभग 90 प्रतिशत, मैन्युफैक्चरिंग का 9 प्रतिशत और कृषि का मात्र 1 प्रतिशत है। भारत में इस समय सेवा लगभग 60 प्रतिशत, मैन्युफैक्चरिंग लगभग 25 प्रतिशत और कृषि 15 प्रतिशत है। इस परिस्थिति में विश्व बाजार में सेवाओं में वृद्धि होगी जबकि उत्पादित माल की मांग में कम वृद्धि होगी अथवा गिरावट भी हो सकती है। जाहिर है कि जिस क्षेत्र में मांग बढ़ने की संभावना है, उस क्षेत्र में यदि हम प्रवेश करेंगे तो अपने माल को आसानी से बेच पायेंगे। वहीं मैन्युफैक्चरिंग में उत्तरोत्तर रोबोट और ऑटोमेटिक मशीनों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। सेवा क्षेत्र में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से भी रोजगार में गिरावट आ सकती है लेकिन सेवा के तमाम ऐसे क्षेत्र हैं, जिनका काम कम्प्यूटर से नहीं हो सकता है जैसे ऑनलाइन ट्यूशन को लें। यदि जर्मनी में बैठे किसी युवा को आपको गणित की शिक्षा देनी है तो वह सॉफ्टवेयर प्रोग्राम से कम ही सफल होगी। उसके लिए सामने एक अध्यापक बैठा होना चाहिए जो छात्र अथवा छात्रा के प्रश्नों का उत्तर दे सके और उनकी कठिनाइयों का निवारण कर सके। अपने देश में प्राकृतिक संसाधनों का अभाव है। प्रति हेक्टेयर भूमि में हमारी जनसंख्या दूसरे देशों की तुलना में अधिक है। अपने देश में कोयला, बिजली और अन्य खनिज भी दूसरे देशों की तुलना में कम हैं। मैन्युफैक्चरिंग में इन प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग अधिक होता है। जैसे आपको स्टील बनाने के लिए कोयला और लौह खनिज की भारी मात्रा में आवश्यकता होती है। यदि आपके पास कोयला नहीं है तो आपको उसका आयात करना होगा, जो कि महंगा पड़ेगा और आयातित कोयले से आपके द्वारा निर्मित स्टील महंगा पड़ेगा। जाहिर है आने वाले समय में सेवा क्षेत्र में हमारी स्थिति अच्छी हो सकती है क्योंकि मैन्युफैक्चरिंग का वैश्वीकरण पीछे हटेगा, दूसरा सेवा क्षेत्र का हिस्सा उत्तरोत्तर बढ़ रहा है, तीसरा सेवा क्षेत्र में रोजगार तुलना में सुरक्षित है और चौथा सेवा क्षेत्र के लिए प्रमुख कच्चा माल शिक्षा है जो हमारे पास उपलब्ध है और प्राकृतिक संसाधनों का अपने यहां अभाव है। इन चारों कारणों को देखते हुए हमको ओमिक्रॉन वेरिएंट का सामना करने के लिए उत्पादित माल के निर्यात के स्थान पर सेवाओं के निर्यात पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बावजूद इसके सरकार का ध्यान उत्पादित माल के निर्यात पर ही अधिक दिखता है। इसका एकमात्र कारण यह है कि उत्पादित माल की फैक्टरी लगाने में जमीन का आवंटन, बिजली का कनेक्शन, पॉल्यूशन का अनापत्ति पत्र, जंगल काटने की स्वीकृति, ड्रग लाइसेंस, फूड प्रोडक्ट का लाइसेंस इत्यादि तमाम सरकारी लाइसेंसों की जरूरत पड़ती है, जिसमें नौकरशाही को भारी लाभ होता है इसलिए सरकार को चाहिए कि वह जनता के हित साधने के निर्यात पर विशेष ध्यान दे।

केवल स्वाद के लिए ही नहीं सेहत के लिए भी बेहतरीन है

मशरूम

किसी मेहमान के घर आने पर कुछ खास डिश बनानी हो या फिर कुछ अलग खाने का मन कर रहा हो, तो मशरूम की याद जरूर आती है। नॉन-वेजिटेरियन लोगों के लिए मशरूम और पनीर दो ऐसी चीजें हैं जिनको स्पेशल डिश के तौर पर देखा जाता है। ये दोनों ही चीजें स्वाद को तो बेहतरीन बनाती ही हैं, सेहत को भी कई तरह के फायदे पहुंचाती हैं। पनीर के फायदों के बारे में तो हम आपको पहले बता चुके हैं। आज मशरूम के फायदों के बारे में बताते हैं। सबसे पहले बता दें कि मशरूम फाइबर, विटामिन बी, डी, पोटैशियम, कॉपर, आयरन और सेलेनियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अब सेहत के लिए ये किस तरह से फायदेमंद है आइये बताते हैं।

इम्यूनिटी मजबूत बनाता है

मशरूम का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। जिससे बार-बार बीमार होने का खतरा कम होता है। मशरूम में सेलेनियम की काफी मात्रा पाई जाती है ये शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट की तरह से काम करता है और शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है।

ब्लड शुगर और वजन कंट्रोल करता है

मशरूम ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में भी खास भूमिका निभाता है। मशरूम में काफी कम मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जिससे ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। साथ ही वजन कम करने में भी ये काफी सहायता करता है।

मेमोरी और मांशपेशियों को स्ट्रांग बनाता है

मशरूम मेमोरी और मांशपेशियों को स्ट्रांग बनाने में भी काफी मदद करता है। इसमें चोलीन नाम पोषक तत्व पाया जाता है। ये मांशपेशियों की एक्टिविटी को तो स्ट्रांग बनाने में खास भूमिका निभाता ही है, साथ है मेमोरी को स्ट्रांग बनाने का काम भी बखूबी करता है।

बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करता है

मशरूम का सेवन रोजाना करने से बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने में भी मदद मिलती है। मशरूम में एंटी-ऑक्सीडेंट काफी मात्रा में पाए जाते हैं। जिसमें से एर्गोथिनीन खास है। ये बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने में काफी मददगार होता है।

हड्डियां मजबूत बनाता है

मशरूम खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। ये विटामिन डी का काफी अच्छा स्रोत है। रोजाना मशरूम का सेवन करने से शरीर में विटामिन डी की कमी पूरी होने लगती है। इसके सेवन से हड्डियों में दर्द और सूजन की दिक्कत भी कम होने लगती है।

हंसना मना है

सुहागरात को पत्नी का घूंघट उठाकर पति रोमांटिक अंदाज में बोला... पति: हमै तुमाई आंखन में पूरौ शहर दीख रऔ है पत्नी: देखियो, आगे बाले चौराहे पे मारो ब्वॉयफ्रेंड लगो है का... पति बेहोश।

पिता : पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा: हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता: कौन सी बुक पढने लगा है तू? बेटा: फेसबुक।

अगर आपकी तोंद निकल रही है तो घबराएं नहीं... क्योंकि एयर बैग हमेशा लग्जरी कारों में ही होते हैं।

एक गांव का लड़का जो दिल्ली नौकरी करने गया, अपने गांव वापस आया और अपने दोस्तों से बोला पता है जितनी भीड़ दिल्ली वालों की शादी में होती है, उससे ज्यादा भीड़ तो अपने यहां गांव में तब होती है जब खराब ट्रांसफॉर्मर ठीक होता है।

रवि पर बिजली का तार गिर गया। रवि तड़प-तड़प के मरने ही वाला था कि अचानक... उसे याद आया बिजली तो 2 दिन से बंद है। वापस उठकर, हंसते हुए बोला- याद नहीं आता तो मर ही जाता!

कहानी | डमरू बजा, बारिश शुरू हो गई

एक बार की बात है, देवताओं के राजा इंद्र ने कृषकों से किसी कारण से नाराज होकर बारह वर्षों तक बारिश न करने का निर्णय लेकर किसानों से कहा, अब आप लोग बारह वर्षों तक फसल नही ले सकेंगे। सारे कृषकों ने चिंतातुर होकर एक साथ इंद्रदेव से वर्षा करवाने प्रार्थना की। इंद्रदेव ने कहा-यदि भगवान शंकर अपना डमरू बजा देंगे तो वर्षा हो सकती है। इंद्र ने किसानों को ये उपाय तो बताया लेकिन साथ में गुप्तवार्ता कर भगवान शिव से ये आग्रह कर दिया कि आप किसानों से सहमत न होना। प्रभु भी बड़े कौतिकी हैं, जब किसान भगवान शंकर के पास पहुँचे तो भगवान ने उन्हें कहा-डमरू तो बारह वर्ष बाद ही बजेगा। किसानों ने निराश होकर बारह वर्षों तक खेती न करने का निर्णय लिया। उनमें से एक किसान था जिसने खेत में अपना काम करना नहीं छोड़ा। वो नियमति रूप से खेत जोतना, निंदाई, गुड़ाई, बीज बोने का काम कर रहा था। ये माजरा देख कर गाँव के किसान उसका मजाक उड़ाने लगे। कुछ वर्षों बाद गाँव वाले इस परिश्रमी किसान से पूछने लगे, जब आपको पता है कि बारह वर्षों तक वर्षा नहीं होने वाली तो अपना समय और ऊर्जा क्यों नष्ट कर रहे हो? उस किसान ने उत्तर दिया-मैं, भी जानता हूँ कि बारह वर्ष फसल नही आने वाली लेकिन मैं, ये काम अपने अभ्यास के लिए कर रहा हूँ। क्योंकि बारह साल कुछ न करके मैं, खेती किसानी का काम भूल जाऊंगा, मेरे शरीर की श्रम करने की आदत छूट जाएगी। इसीलिए ये काम मैं, नियमित कर रहा हूँ ताकि जब बारह साल बाद वर्षा होगी तब मुझे अपना काम करने के लिए कोई कठिनाई न हो। ये तार्किक चर्चा माता पार्वती भी बड़े कौतूहल के साथ सुन रही थी। किसान के स्वाभाव से प्रभावित होकर माता पार्वती, भगवान शिव से किसान की सहायता के उद्देश्य से, सहज विनोद भाव में बोलीं- प्रभु,आप भी अगर बारह वर्षों के बाद डमरू बजाना भूल गये तो? माता पार्वती की बात सुन कर भोले बाबा माता पार्वती के मन को समझ कर, अपना डमरू बज रहा है या नहीं एसा दर्शाते हुए, डमरू को उठाया और बजाने का प्रयत्न करने लगे।जैसे ही डमरू बजा बारिश शुरू हो गई, जो किसान अपने खेत में नियमित रूप से कर्म कर रहा था उसके खेत में भरपूर फसल हुई। बाकी के किसान पश्चाताप के अलावा कुछ न कर सके।

9 अंतर खोजें

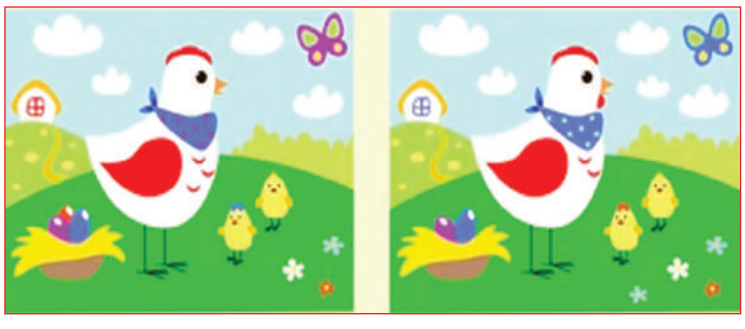

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपकी कोई खास इच्छा पूरी हो सकती है। कोई जरूरी काम पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं। संबंधों में सुधार होगा। शत्रु पक्ष आपसे दूरी बनाए रखेगा।

वृषभ

बेवजह का तनाव और चिंताएं जीवन का रस निचोड़कर आपको पूरी तरह से चूस सकती हैं। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित स्थान पर रखें, जो आपको भविष्य में वापस मिल सके। इन आदतों को छोड़ देना ही अच्छा है।

मिथुन

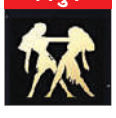

आज पढ़ाई में तरक्की होगी। आपके नेतृत्व के गुण आपके करियर को बेहतर बनाने में फायदेमंद साबित होंगे। एक निश्चित उद्देश्य के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यस्थल पर आपकी काफी प्रशंसा होगी।

कर्क

आज किसी काम को पूरा करने में अधिक समय लग सकता है. आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। ज्यादा भागदौड़ आपकी परेशानी बढ़ा सकती है। बच्चों के साथ कम समय बिता पाएंगे।

सिंह

अचानक यात्रा करना थका देने वाला साबित होगा। इस दिन निवेश करने से बचना चाहिए। संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है। हो सके तो ठंडे दिमाग से इसे सुलझाने की कोशिश करें।

कन्या

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में उलझा सकती है. रिश्तेदारों से मिलने जाना आपकी कल्पना से कहीं बेहतर होगा। आपको प्यार के सकारात्मक संकेत मिलेंगे।

तुला

योग और आध्यात्मिक क्षेत्र के लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। विदेश यात्रा के योग बनेंगे। आपके परिवार का सहयोग मिलेगा। आज आप कोई नई योजना बनाएंगे। आपकी कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

वृश्चिक

आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा। माता-पिता के साथ मंदिर जा सकते हैं। काम से जुड़ी समस्याओं से आपको राहत मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को काम का सुनहरा मौका मिल सकता है।

धनु

आज आपकी बौद्धिक क्षमता आपको अपनी कमियों से लड़ने में मदद करेगी। पैसों के मामले में आपको दूसरों की सलाह मानने के बजाय अपने मन की बात सुननी चाहिए।

मकर

यदि आप कई दिनों से नौकरी में स्थानांतरण को लेकर चिंतित हैं तो आज आपकी परेशानियां समाप्त हो सकती हैं. परिवार में खुशियां आएंगी। घर पर कोई मित्र आपसे मिलने आ सकता है।

कुम्भ

आर्थिक स्थिति अच्छी होने के कारण आपके लिए जरूरी चीजें खरीदना आसान हो जाएगा। अपने आप में दोष खोजने के लिए विवादों, मतभेदों और दूसरों की आदत पर ध्यान न दें। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे।

मीन

आज सामाजिक स्तर पर वृद्धि होगी. धन-दौलत के मामले में स्थिति अच्छी रहेगी। अगर आप मेहनत और लगन से करेंगे तो आपको सफलता मिल सकती है। आज कई मामलों में प्रगति होगी।

भोजपुरी | मन की बात

अपने साथ हुए बर्ताव से घर आकर खूब रोया करती थीः मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर की फिल्म आ रही है जर्सी। इसमें इनके अपोजिट हैं शाहिद कपूर। थिएटर में रिलीज होनी थी 31 दिसंबर को लेकिन ओमिक्रॉन की वजह से इसकी डेट पोस्टपोन कर दी गई है। हालांकि स्टार्स ने फिल्म को प्रमोट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। टीवी के ज्यादातर रियलिटी शो में ये दिखाई दिए। इसी दौरान एक इंटरव्यू में मृणाल ठाकुर ने इंडस्ट्री में शुरुआती दिनों के बारे में बताया कि उनके साथ कैसे बर्ताव किया जाता था, जिससे वह बहुत अफेक्ट हो जाया करती थीं। फिल्मी करियर की तो शुरुआत मृणाल ने रितिक रोशन की फिल्म सुपर 30 से की थी। लेकिन एक्टिंग में उनका सफर टीवी शो मुझसे कुछ कहती... ये खामोशिया से शुरू हुआ था। बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में मृणाल ने इंडस्ट्री में कदम रखने के दौरान का किस्से सुनाते हुए बताया, जब मैंने एक्टिंग करियर की शुरुआत की तो मेरे साथ सही तरीके से बर्ताव नहीं किया जाता था। मैं घर आकर रोती थीं। मैंने अपने पैरेंट्स से कहा कि मुझे यह अच्छा नहीं लग रहा है। इस बात पर उन्होंने मुझे समझाया कि मैं अगले दस साल की सोचूं। इससे लोग जब मेरी तरफ देखेंगे तो कुछ सीखेंगे। उनको महसूस होगा कि अगर यह लड़की कर सकती है तो मैं भी कर सकती हूं। उन्होंने अपने परिवार का शुक्रिया अदा किया। कहा, मैं अपने पेरेंट्स की बहुत शुक्रगुजार हूं कि जो चीज नही थी भी न, उसके लिए मेरे पेरेंट्स ने कड़ी मेहनत करना सिखाया। इसलिए मैं उनकी बहुत आभारी हूं। बता दें कि फिल्म 'जर्सी' साल 2019 में आई तेलुगू फिल्म का ऑफिशियल रिमेक है। फिल्म की कहानी एक क्रिकेटर के इर्द-गिर्द घूमती है।

ओमिक्रॉन की चपेट में आई जर्सी

शाहिद कपूर पिछले काफी समय से अपनी अगली फिल्म जर्सी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में इसका जबरदस्त ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसके बाद से ही फिल्म के लिए बेसब्री दोगुना हो गई थी। लेकिन अब स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

निर्माताओं ने दी जानकारी

जर्सी के निर्माताओं ने ओमिक्रॉन वैरिएंट को देखते हुए प्रतिबंध फिर से लगाए जाने के बाद फिल्म की रिलीज का तारीख को स्थगित करने का फैसला किया है। निर्माताओं ने एक बयान जारी कर इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए कहा, मौजूदा परिस्थितियों और नए कोविड दिशा-निर्देशों को देखते हुए हमने अपनी फिल्म जर्सी की नाटकीय रिलीज को स्थगित करने का फैसला किया है।

बॉलीवुड | मसाला

निर्माताओं ने आगे कहा, हमें अब तक आप सभी से अपार प्यार मिला है और इसके लिए आप सभी को धन्यवाद देना चाहते हैं। तब तक सभी कृपया सुरक्षित और स्वस्थ रहें और आप सभी को आने वाले नए साल की शुभकामनाएं! बता दें कि पहले ये फिल्म नए साल के मौके पर 31 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी।

कैसा है शाहिद कपूर का रोल

इस फिल्म में शाहिद कपूर को, 36 साल के एक नाकाम क्रिकेटर अर्जुन तलवार का रोल निभाते हुए देखा जा रहा है, जो अपने बेटे की ख्वाहिश को पूरा करने के लिए क्रिकेट ग्राउंड पर कमबैक करते हैं। शाहिद की ये फिल्म तेलुगू हिट जर्सी की हिंदी रीमेक है। फिल्म में मृणाल ठाकुर और दिग्गज एक्टर पंकज कपूर को भी अहम भूमिकाओं में देखा जा रहा है।

नहीं थम रहा मधुबन का विवाद

ट्विटर पर ट्रेंड हुआ

अरेस्ट सनी लियोन

सनी लियोन इन दिनों अपने गाने मधुबन को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस का ये सॉन्ग विवादों में फंसा हुआ है। रिलीज होते ही गाने पर विवाद भी खड़ा हो गया है। कहा जा रहा है कि इस गाने के बोल और डांस ने आम लोगों की भावनाओं को आहत किया है। बीते दिनों मध्यप्रदेश के होम मिनिस्टर नरोत्तम मिश्रा ने इस वीडियो को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कहा था। साथ ही सभी को माफी भी मांगने को भी कहा था। इसके बाद म्यूजिक कंपनी सारेगामा ने रविवार को बताया कि गाने को लेकर हालिया फीडबैक को देखते हुए और लोगों की भावनाओं का ख्याल रखते हुए, हम मधुबन गाने के 3 दिन के अंदर ही बोल और नाम बदलेंगे। हालांकि इन सब के बावजूद भी गाने को लेकर विवाद नहीं थम रहा है। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर सनी की गिरफ्तारी की मांग उठ रही है। ट्विटर पर सुबह से एक्ट्रेस पर आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने हिन्दू धर्म को आघात पहुंचाने वाले गाने को चुना। उन्होंने लिखा, सनी लियोनी का हिन्दू धर्म को आघात पहुंचाने वाला गाना मधुबन में राधिका नाचे में अभी तक बदलाव नहीं किया गया है। हम लोग कब तक बॉलीवुड के खिलाफ चुप बैठे रहेंगे। यह लगातार हमारी संस्कृति को नष्ट कर रहे हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से सनी लियोन को भी इस गाने की वजह से लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अपने इस गाने के जरिए लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। ऐसे में गाने को बैन तक करने की मांग होने लगी है। गौरतलब है कि इस गाने को कनिका कपूर ने अपनी आवाज से सजाया है, जबकि गणेश आचार्य ने गाने के लिए सनी लियोन को कोरियोग्राफ किया है। सनी लियोन के गाने पर पहले भी हल्ला मच चुका है।

अजब-गजब | क्रूरता में चंगेज खां से भी एक कदम आगे था यह शासक

लोगों को जिंदा दीवार में चुनवा कर बनवाई थी मीनार

दुनिया का ज्यादातर देशों में अब लोकतंत्र है यानी लोगों द्वारा वोट डालकर चुनी गई सरकार जो लोगों को हित में काम करती है। लेकिन कुछ सदी पहले ऐसा नहीं था। दुनियाभर के देशों में राजा-महाराजा राज किया करते थे और जनता उनके लिए सिर्फ दास या दासी ही होती थी। इनमें से कुछ राजा तो बहुत अच्छे होते थे जनता की भलाई के लिए काम करते थे लेकिन कई ऐसे क्रूर थे जो इंसानों के साथ जानवरों से भी बदतर बर्ताव किया करते थे। आज हम आपको एक ऐसे ही क्रूर शासक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें शासक नहीं, बल्कि शांति और इंसानियत का दुश्मन कहा जाता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं चौदहवीं शताब्दी के शासक तैमूर लंग के बारे में। जो 1369 ईस्वी में समरकंद के अमीर के रूप में अपने पिता के सिंहासन पर बैठा था। उसके बाद वह पूरी दुनिया को फतह करने के लिए निकल पड़ा। उसने कई देशों को जीत लिया और उसके बाद 1398 ईस्वी में तैमूर ने भारत पर आक्रमण कर दिया। वह दिल्ली तक पहुंच गया। इतिहास की मानें, तो वह दिल्ली में केवल 15 दिनों तक रुका था। सैनिकों के साथ उसने जमकर लूटपाट की और सारा माल लेकर अपने वतन वापस लौट गया। भारत पहले से ही अपनी समृद्धि और वैभव के लिए दुनिया भर में लोकप्रिय था। इस वजह से यह देश आक्रमणकारियों के निशाने पर रहा।

तैमूर लंग ने भी भारत के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था। इसलिए वह यहां की दौलत लूटने के लिए उसने आक्रमण की योजना बनाई थी। भारत में तैमूर लंग ने दौलत तो काफी लूटी लेकिन साथ ही अंत में जब वह दिल्ली से वापस समरकंद के लिए रवाना हो रहा था, तो जाते-जाते अनेक जवान और बंदी बनाई गई औरतों और शिल्पियों को भी अपने साथ ले गया। बताया जाता है कि तैमूर लंग ने चंगेज खां की पद्धति को अपना रखा था, लेकिन क्रूरता और निष्ठुरता के मामले में वो चंगेज खां से भी एक कदम आगे था। इतिहास में तैमूर लंग को एक खूनी योद्धा की संज्ञा दी गई है। तैमूर जब भी जंग के लिए मैदान में उतरता, लाशों का ढेर लगा देता था। कहते हैं, एक जगह उसने दो हजार जिंदा आदमियों की एक मीनार बनवाई और उन्हें ईंट और गारे में चुनवा दिया। बता दें कि तैमूर लंग का नाम पहले केवल तैमूर था। नाम के पीछे लंग जुड़ने की कहानी उसके जीवन की एक महत्वपूर्ण घटना है। ऐतिहासिक तथ्यों के मुताबिक, युवावस्था में तैमूर के शरीर का दाहिना हिस्सा बुरी तरह घायल हो गया था। इतिहासकारों की मानें तो तैमूर की यह हालत एक हादसे के कारण हुई थी। तैमूर भाड़े के मजदूर के तौर पर खुरासान की खानों में काम करता था। इसी खान में एक हादसे के दौरान वह जख्मी हो गया। तैमूर को लेकर अलग-अलग इतिहासकारों की राय भी अलग-अलग है।

इसे माना जाता है दुनिया का सबसे खुशहाल जानवर

हमारी पृथ्वी पर कई प्रजातियों के जीव पाए जाते हैं और सभी जीव अपने आप में अनोखे होते हैं। कुछ जानवर अनोखे होते हैं तो वहीं कुछ बेहद अजीब भी होते हैं, जिनके बारे में हर कोई जानना चाहता है। आपने दुनिया के सबसे बड़े, छोटे, क्यूट और खतरनाक जानवरों के बारे में तो जरूर सुना होगा। लेकिन क्या आप किसी ऐसे जानवर के बारे में भी जानते हैं जो हमेशा खुश रहता है? जी हां, इस धरती पर एक ऐसा भी जानवर मौजूद है जो हमेशा खुश रहता है। उसे दुनिया का सबसे खुशहाल जानवर माना जाता है। इस जानवर का चेहरा हमेशा मुस्कुराता हुआ नजर आता है। इस जानवर को देखकर लगता है कि ये हंस रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है। इसके फेस की बनावट ही ऐसी है जैसे लगता है कि ये खुशी से मुस्कुरा रहा हो। आइये जानते हैं इस जानवर का नाम क्या है और ये कहां पाया जाता है। दरअसल, इस जानवर को नाम क्वॉका है। ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में पाया जाता है। इसकी मुस्कुराहट काफी मनमोहक है। चूहे जैसा दिखने वाला ये जानवर एक बिल्ली के जितना बड़ा होता है। ये मार्सुपियल्स की कैटेगरी में आते हैं यानी ऐसे जानवर जो कंगारू की तरह अपने पाउच में अपना बच्चा रखते हैं। अनोखे स्माइलिंग फेस की बनावट की वजह से इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि दी गई है। क्वॉका नाम का ये क्यूट सा जानवर ऑस्ट्रेलिया आने वाले सैलानियों के बीच काफी लोकप्रिय है। साथ ही इन्हें सेल्फी खिंचवाना बेहद पसंद हैं। जब भी कोई सैलानी इनके साथ सेल्फी क्लिक करता है तो ये बड़े प्यार से मुस्कुराते हुए पोज देते हैं। ये आमतौर पर अपने परिवार के साथ या गुट में रहना पसंद करते हैं और रात में ही बाहर निकलते हैं। आमतौर पर ये ऑस्ट्रेलिया के पश्चिमी हिस्से में मौजूद दलदली इलाके में रहते हैं। इसके अलावा रॉटनेस्ट द्वीप पर भी ये काफी संख्या में देखे जा सकते हैं।

प्रदेश में तेजी से बढ़ रही कोरोना की रफ्तार, मचा हड़कंप

» सबसे अधिक मरीज लखनऊ में मिले टेस्टिंग और टीकाकरण पर जोर

» बीते चौबीस घंटे में 118 संक्रमित, सक्रिय केसों की संख्या भी बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज हो गई है। बीते चौबीस घंटे में प्रदेश में कोरोना से संक्रमित 118 नए रोगी मिले हैं। बीते दो दिनों में कोरोना के मरीजों की संख्या में तीन गुना की बढ़ोतरी हुई है। 27 दिसंबर को 40 मरीज मिले थे। संक्रमण की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। विभाग ने टेस्टिंग और टीकाकरण तेज कर दिया है।

प्रदेश में जो 118 नए रोगी मिले हैं उसमें सबसे ज्यादा 25 लखनऊ में मिले हैं और 21 रोगी गौतमबुद्ध नगर में मिले हैं। साढ़े पांच महीने बाद एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में रोगी मिले हैं। बीते सात जुलाई को इससे ज्यादा 120 मरीज मिले थे। नए मिले मरीजों के मुकाबले 36 रोगी स्वस्थ हुए हैं। अब सक्रिय केस बढ़कर 473 हो गए हैं। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने लोगों से अपील की है कि वह कोरोना से बचाव के लिए प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करें। दो गज की शारीरिक दूरी के नियम का सख्ती से पालन करें और मास्क अनिवार्य रूप से लगाएं। उन्होंने बताया कि बीते 24 घंटे में दो लाख से अधिक लोगों की कोरोना जांच कराई गई। कोरोना जांच की संख्या में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। इससे पहले सोमवार को 1.42 लाख और मंगलवार को 1.93 लाख लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया था। तक कुल 9.25 करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट कराया जा चुका है। अब तक प्रदेश में कुल 17.10 लाख लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं और इसमें से 16.87 लाख रोगी ठीक हो चुके हैं। अब रिकवरी रेट 98.6 प्रतिशत है और पाजिटिविटी रेट 1.86 प्रतिशत है। इस समय सबसे ज्यादा कुल 99 मरीज गौतम बुद्ध नगर में, दूसरे नंबर पर लखनऊ में 90 और तीसरे नंबर पर गाजियाबाद में 75 मरीज हैं।

50 जिलों में फैला संक्रमण

देश में दिसंबर की शुरुआत में 40 जिले कोरोना मुक्त थे। केवल 35 जिलों में कोरोना रोगी थे। इस समय 25 जिले कोरोना मुक्त हैं और 50 जिले कोरोना संक्रमण की चपेट में हैं। ऐसे में 15 और जिले संक्रमण की चपेट में आ गए हैं।

अब वीरांगना लक्ष्मीबाई के नाम से जाना जाएगा झांसी रेलवे स्टेशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई से लेकर आजादी तक का गवाह रहा झांसी रेलवे स्टेशन अब वीरांगना लक्ष्मीबाई के नाम से जाना जाएगा। एक जनवरी को यह रेलवे स्टेशन 133 वर्ष पूरे करेगा। इसका उद्घाटन एक जनवरी वर्ष 1889 को हुआ था। ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे ने इसको स्थापित किया था।

बुधवार को गृह मंत्रालय के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए राज्य सरकार ने स्टेशन का नाम बदलने की अधिसूचना जारी कर दी है। अब रेल मंत्रालय से आदेश मिलते ही मंडल रेल प्रशासन नाम बदलने की विभागीय प्रक्रिया शुरू करेगा। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी स्टेशन या शहर का नाम बदला गया हो। समय-समय पर सरकारें ऐसा करती रही हैं। भाजपा नाम बदलने के पीछे विदेशी आक्रांताओं द्वारा जबरन नाम बदलने का कारण बताती है। योगी सरकार अब तक तमाम शहरों, बाजारों और स्टेशनों के बदले चुकी है।

जम्मू-कश्मीर में जैश के छह आतंकी ढेर, तीन जवान जखमी

» मारे गए दहशतगर्दों में दो पाकिस्तानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम और अनंतनाग जिलों में दो मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी सरगना समेत जैश-ए-मोहम्मद के छह आतंकी ढेर कर दिए। आईजीपी कश्मीर ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में से चार की पहचान दो पाकिस्तानी और दो स्थानीय आतंकवादियों के रूप में हुई है। अन्य दो आतंकवादियों की पहचान की जा रही है। अनंतनाग मुठभेड़ में आतंकी ढेर करने के दौरान एक पुलिस कर्मी व कुलगाम में सेना के दो जवान भी घायल हुए हैं। इनके पास से एक अमेरिकी एम 4 व दो एके 47 राइफलें बरामद हुई हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम सुरक्षाबलों को कुलगाम और अनंतनाग में कुछ आतंकियों के मौजूद होने की सूचना मिली थी। पूरे इलाके की घेराबंदी कर घर-घर तलाशी अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान एक मकान में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जैश के पाकिस्तानी कमांडर समेत छह आतंकियों को मार गिराया। इनके शव बरामद कर लिए गए हैं। इनके पास से एक अमेरिकी एम 4 तथा एके सीरीज की दो राइफलें मिली हैं। काफी समय बाद जैश आतंकी के पास से एम-4 राइफल मिली हैं। इससे पहले 14 मार्च 2021 को शोपियां जिले के रावलपोरा इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर आतंकी जहांगीर मारा गया था। उसके पास से सुरक्षाबलों ने एम 4 राइफल व कारतूस बरामद किए थे। अमेरिकी सेना द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एम 4 राइफल आतंकियों का पसंदीदा हथियार है। पाकिस्तान इसे आतंकियों को उपलब्ध कराता है।

गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में कालीचरण महाराज गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खजुराहो। महात्मा गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले कालीचरण महाराज को मध्य प्रदेश के खजुराहो से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी छत्तीसगढ़ की रायपुर पुलिस ने की है। कालीचरण पर भड़काऊ भाषण देने के आरोप में कई जगह मुकदमे दर्ज किए गए थे।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित धर्म संसद में धर्मगुरु कालीचरण महाराज ने महात्मा गांधी के बारे में अमर्यादित टिप्पणी की थी और नाथूराम गोडसे को बापू की हत्या के लिए सही ठहराया था। इसके बाद कालीचरण महाराज के खिलाफ बीते रविवार को रायपुर के टिकरापारा थाने में मामला दर्ज किया गया था। कालीचरण महाराज मध्य प्रदेश के खजुराहो से 25 किमी दूर बागेश्वर धाम के पास किराए के मकान में रह रहे थे। रायपुर पुलिस ने आज सुबह चार बजे उन्हें गिरफ्तार कर लिया। रायपुर के एसपी प्रशांत अग्रवाल ने इसकी जानकारी दी है। इसके अलावा पुणे सिटी पुलिस ने भी कालीचरण महाराज, मिलिंद एकबोटे, नंदकिशोर एकबोटे और तीन अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पंजाब : सीएम चेहरे के बिना चुनाव में उतरने के फैसले पर कांग्रेस में कलह

» सिद्धू और जाखड़ आमने-सामने, चुनाव से पहले थम नहीं रहा विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में कलह थमती नजर नहीं आ रही। हाईकमान के 2022 के विधान सभा चुनाव में बिना सीएम चेहरे के उतरने के फैसले पर विवाद बढ़ता जा रहा है। बुधवार को पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने मांग की थी कि विधान सभा चुनाव से पहले पार्टी को अपने मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान करना चाहिए। इसके विपरीत कांग्रेस की प्रचार कमेटी के चेयरमैन सुनील जाखड़ ने इससे साफ इनकार किया है और बिना चेहरे के चुनाव लड़ने की बात कही है।

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रधान सुनील जाखड़ ने कहा कि 2017 विधानसभा चुनाव को छोड़कर कांग्रेस कभी भी सीएम चेहरे के साथ चुनाव में नहीं उतरी। उन्होंने कहा कि 2017 का चुनाव एक अपवाद था जब ये जाहिर था कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ही मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। सिद्धू ने बुधवार को कहा था कि बरात से पहले 'दूल्हे' का ऐलान होना चाहिए। कांग्रेस के लिए भी जरूरी है कि मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान करके ही पार्टी विधान सभा चुनाव में उतरे। सिद्धू ने कहा कि पंजाब के लोग जानना चाहते हैं कि पंजाब को 'कीचड़' से कौन और कैसे निकालेगा और कांग्रेस पार्टी का रोडमैप क्या होगा? उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं करने के चलते ही आम आदमी पार्टी का जो हाल 2017 में हुआ था, वह अब कांग्रेस का होगा।

शपथपत्र में संपत्ति छिपाने के आरोप में तेज प्रताप पर एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बेटे और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक तेज प्रताप यादव के खिलाफ बुधवार को एक एफआईआर दर्ज कराई गई। इसमें आरोप लगाया गया है कि तेज प्रताप ने 2020 में हुए विधान सभा चुनाव दाखिल शपथपत्र में अपनी संपत्ति से संबंधित गलत जानकारी साझा की थी। राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव के खिलाफ यह एफआईआर रोसड़ा थाना में दर्ज की गई है।

» सीबीडीटी की जांच में सामने आई जानकारी

शिकायत के अनुसार बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के दूसरे चरण की अधिसूचना के तहत 140 हसनपुर विधान सभा क्षेत्र के लिए तेज प्रताप यादव ने 13 अक्तूबर 2020 को राजद से उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान अपने शपथपत्र में तेज प्रताप ने अचल संपत्ति छिपाई थी। इस बात की शिकायत राज्य में जदयू ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की थी। सीबीडीटी जांच में इसकी पुष्टि हुई। तेज प्रताप को आयोग ने नोटिस भी भेजा था लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया था।

तो अपने ही दांव में फंस गयी भाजपा!

» पीयूष जैन से मिले करोड़ों रुपयों को क्यों बताया जा रहा टर्नओवर

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान सभा चुनाव के पहले कारोबारी पीयूष जैन के यहां जीएसटी की छापेमारी में 194 करोड़ बरामद हुए। इसको लेकर प्रदेश की सियासत गर्म हो गयी है। इस अघोषित संपत्ति का वारिस कौन है? क्या यह पैसा किसी और का है? जीएसटी टीम ने अभी तक सीजर मेमो पेश क्यों नहीं किया? काला धन अचानक टर्नओवर में क्यों बदल गया? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार विनीत नारायण, अशोक वानखेड़े, श्वेता आर रश्मि, राजेश आहूजा, चिंतक सीपी राय और वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक कुमार के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

विनीत नारायण ने कहा, गुजरात में ट्रक पकड़े गए उसी को खोजते हुए जीएसटी टीम पीयूष जैन तक पहुंची। यह भाजपा का आदमी है। लिहाजा टर्नओवर का खेल खेला जा रहा है। अशोक वानखेड़े ने कहा, पीयूष जैन का तहखाना कई लोगों का कैश सेंटर था। इसमें शिखर पान मसाले वाले का सबसे अधिक पैसा है। जीएसटी ने उसको भी नोटिस भेजा है। इसके संबंध सीधे भाजपा से है। भाजपा इसको लेकर सपा पर निशाना साध रही है। अब उल्टे फंस गयी है। राजेश आहूजा ने कहा, जीएसटी पांच करोड़ से अधिक की बरामदगी पर गिरफ्तारी होती है। बड़ा सवाल यह है कि पीयूष जैन को गिरफ्तार किया लेकिन उससे पूछताछ क्यों नहीं हो रही है। इसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए।

सीपी राय ने कहा, सवाल यह है कि क्या सैकड़ों करोड़ रुपया व्यक्ति अपने घर में रख सकता है। क्या यह देश की मुद्रा और अर्थव्यवस्था के खिलाफ अपराध नहीं है। अब इसे टर्नओवर बताकर मामले को रफा-दफा किया जा रहा है। श्वेता आर रश्मि ने कहा, एजेंसी अपना काम कर रही है। इस पूरे रेड के को लेकर अफरातफरी मचायी जा रही है और इसके जरिए सपा को निशाना साधा गया। जनता सीएम योगी से नाराज है। इससे भाजपा परेशान है। ये पैसा सत्ता पक्ष से जुड़ा है।

कोहरे के साथ बढ़ गई ठंड

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। पर्वतीय क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से हो रही बर्फबारी और बारिश की वजह से और ठंडक बढ़ने की संभावना है। लखनऊ में बारिश के बाद कोहरे का दौर भी शुरू हो गया है। सुबह आसमान में कोहरा छाए रहने से तापमन में गिरावट रही। हालांकि धूप खिलने से लोगों ने राहत महसूस की। राजधानी की बात करें तो यहां का कल का न्यूनतम तापमान आज 13 और अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विभाग की माने तो आसमान में बादल साफ रहेगा। हालांकि कोहरे से अभी निजात नहीं मिलने वाली है।

बेरोजगार युवा 22 में देंगे भाजपा को जवाब : अखिलेश

सपा प्रमुख ने भाजपा पर फिर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के एक रथ के मुकाबले भाजपा के छह रथ नाकाम साबित हो रहे हैं। समाजवादी विजय रथ के पहिए जहां-जहां घूम रहे हैं, जनसमर्थन की आंधी उठ रही है। हर तरफ उमड़ता जनसैलाब संकेत दे रहा है कि अब भाजपा के दिन बीत गए हैं।

समाजवादी विजय रथ अबाधगति से बढ़ता हुआ प्रचंड बहुमत के रास्ते को प्रशस्त करने में सफल होगा। सपा प्रमुख ने आज डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार लखनऊ में एकत्र बड़ी संख्या में समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सन 2022 में लोकतंत्र को बचाने का अंतिम चुनाव है। भाजपा अपनी नाकामियों को लेकर बुरी तरह बौखला गई है। विधानसभा चुनावों में अपनी हार सुनिश्चित देखकर भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या पर उतारू हो गई हैं। अखिलेश ने ट्वीट किया कि निर्दयी भाजपा सरकार की एनकाउंटर संस्कृति ने कुछ पुलिसवालों को बेरहम बना दिया है। शिक्षक भर्ती के प्रदर्शनकारियों की गर्दन पर हाथ डालने वाले प्रशासन को उप्र के बेरोजगार युवा बाइस में जवाब देंगे। उप्र के हर एक पुलिसवाले को फिर से संवेदनशील बनाना भविष्य के लिए एक बड़ी चुनौती है। यादव ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ जब राजनीति में विश्वास का संकट पैदा हुआ है। सत्ताशीर्ष की भाषा अभद्र, मर्यादाविहीन और निंदापरक होती जा रही है। भाजपा का कोई विजन न होने से प्रदेश का विकास अवरुद्ध है। किसान तबाह है, नौजवान रोजगार के लिए भटक रहे हैं।

वाल्मीकि समाज पर हो रहा अत्याचार : प्रियंका

» वाल्मीकि समाज अपनी लड़ाई खुद लड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने आगरा में कहा है कि वाल्मीकि समाज पर अत्याचार हो रहे हैं। हाथरस कांड और अरुण वाल्मीकि हत्याकांड के बाद वाल्मीकि समाज अपनी लड़ाई खुद लड़ेगा। समाज इस तरह के अत्याचार को सहन नहीं करेगा। इसे लेकर समाज के एक व्यक्ति को कांग्रेस टिकट देगी।

आगरा के सुभाष पार्क स्थित वाल्मीकि वाटिका में वाल्मीकि समाज के तख्त चौधरियों से संवाद करने के बाद प्रियंका ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वाल्मीकि समाज के साथ हो रहे अत्याचार पर संदेश देने के लिए पार्टी ने यह निर्णय लिया है। इसके लिए पार्टी का प्रतिनिधिमंडल समाज के लोगों से चर्चा कर चुका है।

वेतन न मिलने के कारण वन कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार, चक्काजाम की चेतावनी

» दुधवा, पीलीभीत व कर्तनिया घाट सहित कई रेंजों के कर्मचारी सामूहिक हड़ताल पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। न्यूनतम/दैनिक वेतन वन कर्मचारी संघ की एक बैठक लखीमपुर में हुई। बैठक के दौरान प्रांतीय महामंत्री और दुधवा यूनिट के अध्यक्ष रफीउल्ला खान व दुदवा यूनिट के संरक्षक तबरेज खान ने बताया कि बीते 13 माह से वेतन न मिलने के कारण दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी भूखमरी की कगार पर हैं। विभाग के उच्चाधिकारी उनकी बात नहीं सुन रहे है। इसी क्रम में समस्त दैनिक कर्मचारी अपनी-अपनी रेंजों में अनिश्चित कालीन हड़ताल व कार्य बहिष्कार पर है।

लखीमपुर खीरी, रायबरेली, बहराइच समेत कई जिलों के दैनिक वेतन कर्मचारियों के लिए वन विभाग ने समस्याएं खड़ी कर दी हैं। इस मामले में जिलाधिकारी लखीमपुर सहित शासन, व सरकार को भी पत्र लिखा गया है, ताकि वेतन सहित सारी समस्याओं का जल्द निस्तारण हो। मगर अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। संरक्षक तबरेज खान ने बताया कि वेतन बकाया होने से घर परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। दुदवा, पीलीभीत कर्तनिया घाट के लोगों ने अपनी मांगों को लेकर सामूहिक कार्य बहिष्कार कर दिया है। दुदवा में पर्यटन बंद हो गया हैं। उनका कहना है कि यूपी के टाइगर रिजर्व क्षेत्र में संविदा कर्मचारियों का सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। ऐसे में उच्च अधिकारी लिखित में आश्वासन में नहीं देते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में अलग-अलग रेंजों में करीब एक हजार के कर्मचारी आंदोलनरत हैं। जबकि संघ के वन कर्मचारियों का आरोप है कि प्रोजेक्ट टाइगर के एडिशनल पीसीसीएफ कमलेश कुमार ने हम सभी का बजट रोक रखा है। ऐसे में हम लोग कार्य बहिष्कार, आंदोलन के साथ अब चक्काजाम की रणनीति भी बनाएंगे।

"कर्मचारियों की मांगें जायज हैं। मैं उनकी पीड़ा समझ सकता हूं। दस्तावेजों की प्रक्रिया में हम लोग लगे हुए हैं। कुछ समस्याएं हैं, उनका निस्तारण भी किया जा रहा है। इसके अलावा मामले में मैं सभी रेंज शाखाओं से रिपोर्ट लूंगा, जल्द से जल्द वेतन दिलाने का भरसक प्रयास करूंगा।

-कमलेश कुमार, अपर प्रमुख वन संरक्षक, प्रोजेक्ट टाइगर यूपी

पेज एक का शेष

अब दिल्ली दरबार के...

वापस भेजा जाए क्योंकि उनको उत्तर प्रदेश का चीफ सेक्रेटरी बनाया जाना है। ऐसा आदेश इसलिए दिया गया क्योंकि केंद्र किसी भी राज्य में अपनी इच्छा से चीफ सेक्रेटरी की नियुक्ति नहीं कर सकता है। फोन के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय और नौकरशाही में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में केंद्र सरकार को लेटर भेजा गया और कुछ ही मिनटों में दिल्ली सरकार ने लेटर जारी कर दिया कि डीएस मिश्रा को सेवा विस्तार दिया जा रहा है और यूपी सरकार के उनको चीफ सेक्रेटरी बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए उन्हें राज्य में वापस भेजा जा रहा है। यह नियुक्ति तब की गयी जब डीएस मिश्रा के रिटायरमेंट में केवल दो दिन शेष बचे थे। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने करीबी अवनीश अवस्थी को चीफ सेक्रेटरी बनाना चाहते थे। जैसे ही दिल्ली को यह पता चला पीएमओ एक्टिव हो गया और डीएस मिश्रा को चीफ सेक्रेटरी बनाकर प्रदेश में भेज दिया। ये प्रधानमंत्री के भरोसेमंद और काबिल अफसर हैं। एमएलसी अरविंद शर्मा और डीएस मिश्रा के मित्रता की खबरें भी गर्म हैं। साफ है कि नौकरशाही में यह परिवर्तन सीएम योगी आदित्यनाथ को यह संदेश देने के लिए है कि अब उत्तर प्रदेश सरकार की कमान पीएमओ ने संभाल ली है। इसने दिल्ली दरबार और योगी सरकार के बीच चल रही खींचतान भी सामने आ गयी है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को फीडबैक मिला था कि योगी से वही वोट मिलेंगे जो उग्र हिंदुत्ववाद के समर्थक हैं। पिछड़ी जातियों में योगी आदित्यनाथ के चेहरे को लेकर खराब संदेश जा रहा है और ब्राह्मण भी नाराज हैं। लिहाजा दिल्ली में रणनीति बनी है कि योगी आदित्यनाथ का चेहरा धीरे-धीरे पीछे किया जाए। योगी आदित्यनाथ जानते हैं कि ऐसा हुआ और भाजपा जीती तो वे मुख्यमंत्री नहीं बन सकेंगे। लिहाजा वे फ्रंट पर रहने की रणनीति अपनाए हुए हैं। वहीं दिल्ली दरबार मोदी के चेहरे पर यूपी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। यदि मोदी के चेहरे पर भाजपा चुनाव जीतती है तो मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसे मोदी चाहेंगे और यह सभी जानते हैं कि मोदी और शाह की जोड़ी योगी को दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। भाजपा पिछड़ी जाति को भी यही संदेश देना चाहती है कि हम चेहरा बदल देंगे। हालांकि मंच से वे योगी को मुख्यमंत्री बनाने की बात कहते रहते हैं। सच यह है कि भाजपा योगी आदित्यनाथ को लेकर भंवर में फंस गयी है। यदि योगी को आगे रखती है तो पिछड़े और ब्राह्मण नाराज होते हैं और नहीं रखती हैं तो हिंदुत्वादी वोट प्रभावित होंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।